an>

Title: Need to honour Anna Hazare, Social activist with Bharat Ratna.

श्री सदाशिव लोखंडे (शिर्डी) : समाज सेवक आदरणीय श्री अन्ना हजारे जी का जन्म 15 जून 1937 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के रालेगन सिद्धि गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। उनका बचपन बहुत गरीबी में गुजरा। उनके पिता मजदूर थे तथा दादा सेना में थे। परिवार पर कष्टों का बोझ देखकर वे दादर स्टेशन के बाहर एक फूल बेचनेवाले की दुकान में 40 रूपये के वेतन पर काम करने लगे। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद सरकार की युवाओं से सेना में शामिल होने की अपील पर अन्ना 1963 में सेना की मराठा रेजीमेंट में ड्राइवर के रूप में भर्ती हो गए। 12 नवम्बर, 1965 को चौकी पर पाकिस्तानी हवाई बमबारी में वहां तैनात सारे सैनिक मारे गए। इस घटना ने अन्ना के जीवन को सदा के लिए बदल दिया। 1975 में जम्मू में तैनाती के दौरान सेना में सेवा के 15 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने स्वैच्छिक सेवा निवृति ले ली। वे पास के गांव रालेगन सिद्धि में रहने लगे और इसी गांव को उन्होंने अपनी सामाजिक कर्मस्थली बनाकर समाज सेवा में जुट गए। उन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर स्वयं को सामाजिक कार्यों के लिए पूर्णतः समर्पित कर देने का संकल्प कर लिया।

1997 में अन्ना हजारे ने सूचना का अधिकार अधिनियम के समर्थन में मुंबई के आजाद मैदान से अपना अभियान शुरू किया। अगस्त 2006, में सूचना का अधकार अधिनियम में संशोधन पूस्ताव के खिलाफ अन्ना ने आमरण अनशन किया, जिसे देशभर में समर्थन मिला। इसके परिणामस्वरूप, सरकार ने संशोधन का इरादा बदल दिया। उनको अब तक निम्नांकित पुरस्कर मिल चुके हैं।

- पद्मभूषण पुरस्कार(1992)
- पद्मश्री पुरस्कार (1990)
- इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार (1986)
- महाराष्ट्र सरकार का कृषि भूषण पुरस्कार (1989)
- यंग इंडिया पुरस्कार
- मैन ऑफ द ईयर अवार्ड (1988)
- पॉल मित्तल नेशनल अवार्ड (2000)
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंटेग्रिटि अवार्ड (2003)
- विवेकानंद सेवा पुरस्कार (1996)
- शिरोमणि अवार्ड (1997)
- महावीर पुरस्कर (1997)
- दिवालीबेन मेहता अवार्ड (1999)
- केयर इन्टरनेशनल (1998)
- बासवश्री पूशस्ति (2000)
- जियंट्स इंटरनेशनल अवार्ड (2000)
- नेशनल इंटरग्रेसन अवार्ड (1999)
- विश्व-वात्सल्य एवं संतबल पुरस्कार
- जनसेवा अवार्ड (1999)
- रोटरी इन्टरनेशनल मानव सेवा पुरस्कार (1998)
- विश्व बैंक का जित गिल स्मारक पुरस्कार (2008)

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह श्री अण्णा हजारे की सामाजिक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनको भारत रत्न से सम्मानित किए जाने हेतु आवश्यक पहल करें।